हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 26 मई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

एक दिवसीय फ्रेंड्स ऑफ द टाइगर मीट का आयोजन आज

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मध्य प्रदेश टाइगर फाउंडेशन सोसाइटी द्वारा पेंच टाइगर रिजर्व के खवासा में दिनांक 26 मई को एक दिवसीय फ्रेंड्स ऑफ द टाइगर मीट का आयोजन किया जा रहा है इस बैठक में मध्य प्रदेश के विभिन्न वन्य प्राणी क्षेत्रों में कार्यरत अशासकीय संस्थाओं एवं व्यक्तियों के अतिरिक्त सभी टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक एवं राष्ट्रीय उद्यानों के संचालक भाग लेंगे. मध्य प्रदेश के प्रधान मुख्य वन्य प्राणी अभिरक्षक डॉ अतुल श्रीवास्तव की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में मध्य प्रदेश में वन्य प्राणी प्रबंधन की चुनौतियों तथा उन चुनौतियों से निपटने में अशासकीय संस्थाओं, कॉर्पोरेट CSR एवं इच्छुक व्यक्तियों के योगदान को बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा किया जाएगा।

छात्रावास डूण्डासिवनी में आयोजित हुआ विधिक साक्षरता शिविर

हरिभूमि न्यूज सिवनी।अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी श्रीमान सतीश चंद्र राय के मार्गदर्शन में एवं श्री लक्ष्मण कुमार वर्मा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी के निर्देशन में श्रीमती पायल परमार न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सिवनी एवं सुश्री रंजना डोंडवे न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सिवनी के द्वारा दिनांक 24 मई 2024 को महाविद्यालयीन आदीवासी कन्या छात्रावास डूण्डासिवनी में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में नालसा अंतर्गत योजना बच्चों के मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं योजना, पास्को एक्ट, महिला हिंसा, बाल अपराध, निःशुल्क विधिक सहायता योजना के विषय में जानकारी प्रदान की गई।

सदगुरु कबीर प्राकट्य महोत्सव मनाए जाने हेतु बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

प्रति वर्षानुसार सदगुरु कबीर प्राकट्य महोत्सव मनाए जाने हेतु शिव गौरी मंगल भवन छपारा में सदगुरु कबीर समाज उत्थान समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक छपारा समिति के अध्यक्ष मुकेश कुमार अवधिया एडवोकेट सिवनी, संगठन मंत्री राजेंद्र कुमार अवधिया लखनादौन ,कोषाध्यक्ष श्रीचंद अवधिया छपारा, सचिव महेंद्र कुमार अवधिया भीमगढ़ , रीतेश कुमार अवधिया अध्यक्ष सदगुरु कबीर नवयुवक सेवार्थी संघ छपारा तथा छपारा एवम भीमगढ के सभी सामाजिक बंधुओं की उपस्तिथि में संपन्न हुई। समिति के कोषाध्यक्ष श्रीचंद अवधिया ने बताया कि सदगुरु कबीर साहेब के मानव हित संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने एवं समाज में व्याप्त रूढ़िवादी, पाखंड ,अंधविश्वास को दूर करने के उद्देश्य से विगत 22 वर्षों से छपारा में अनवरत रूप से यह कार्यक्रम किया जा रहा है। जिससे समाज में नई चेतना ,नई जागृति उत्पन्न हुई है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी त्रि दिवसीय सत्संग समारोह एवं प्रकट उत्सव का कार्यक्रम पूर्ण श्रद्धा एवम हर्ष उल्लास के साथ आगामी 19 जून से 21 जून 2024 तक नगर छपारा के शिव गौरी मंगल भवन में मनाया जाएगा।

लाखों का हुआ नुकसान, फैक्ट्री में मौजूद थे करीब 40 कर्मचारी

मंडला के दलिया फैक्ट्री में लगी आग

जिले में गर्मी अपनी चरम पर पहुंच चुकी है, पारा 41 डिग्री के ऊपर चल रहा है। जिसके कारण सूर्य देव आग उगल रहे है। सुबह 9 बजे के बाद लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। तेज गर्मी ओर तपन के कारण सब हलाकान हो रहे है। ऐसे में आगजनी की घटना होना आम है। ऐसी ही एक घटना मंडला डिंडौरी मार्ग में स्थित दलिया फैक्ट्री की है। जहां फैक्ट्री के गोदाम में आग लग गई।

मण्डला

मंडला से डिंडौरी मार्ग पर ग्राम रसैयादोना में संचालित दलिया फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। आग लगने का कारण अज्ञात बताया जा रहा है। दलिया फैक्ट्री में लगी आग विकराल रूप ले चुकी थी, जिसे बुझाने का प्रयास किया जा रहा था। आगजनी की सूचना तत्काल फायर बिग्रेड को दी गई। सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड का दल मौके पर पहुंचा। जहां फायर कर्मी आग बुझाने का भरकस प्रयास किया गया। आग इतनी भयावह रूप ले चुकी है कि आग बुझाने में फायर कर्मियों के पसीने छूटने लगे। देर शाम तक काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

जानकारी अनुसार दलिया फैक्ट्री के गोदाम में खाली जूट बैग, पोल्ट्री फीड और कोयला रखा हुआ था। जिसमें अज्ञात कारणों से आग पकड़ ली। गोदाम में रखे खाली जूट बैग, पोल्ट्री फीड और कोयला समेत अन्य सामग्री में आग लगने से आग पर काबू पाने में दमकल कर्मियों को भारी मशक्कत करनी पड़ रही थी। दोपहर तक करीब पांच फायर बिग्रेड द्वारा आग पर काबू पाने प्रयास जारी रहा। आग लगने के दौरान फैक्ट्री में करीब 30 से 40 कर्मचारी मौजूद रहे। फिलहाल किसके हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। आग लगने से लाखों के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। आग बुझाने में फायर ब्रिगेड का अमला घंटो प्रयासरत रहे। जिसके बाद आग पर काबू पाया गया।

फैक्ट्री प्रबंधन पर उठे सवाल

आग लगने की वजह और लापरवाही को देखते हुए यह पूरी घटना प्रायोजित नजर आती है पीछे गोदाम में कितने बार दाने रखे थे कितना अनाज रखा था अब इसकी सत्यता की पुष्टि नहीं हो सकती अब प्रबंधन जितना बतायेगा उतना मानना पड़ेगा और यह सब पिछले काले कारनामों को ढकने का प्रयास नजर आ रहा है फैक्ट्री प्रबंधन अधिकारी एवं कर्मचारियों की माने तो तीनों के द्वारा आग लगने का समय अलग-अलग बताया जा रहा है आग से निपटने पर कोई भी साधन इतनी बड़ी फैक्ट्री में नहीं होना यह भी घोर लापरवाही का सूचक है एक ही कमरे में सभी ज्वलनशील सामग्री का रखा जाना भी किसी बड़े षड्यंत्र को प्रदर्शित करता है बरदाने और सूखा अनाज के साथ कोयला का रखा जाना समझ से परे है क्या कोई अधिकारी या कोई एजेंसी ऐसी नहीं थी जो यहां के प्रबंधन पर नजर रखती पहले भी यह दलिया फैक्ट्री अपनी कार्यप्रणाली को लेकर खबरों में रही है और अपनी मनमानी एवं निजता को लेकर इस पर सवाल भी खड़े होते रहे हैं समय-समय पर इस फैक्ट्री के प्रबंधन पर ना तो जिला प्रशासन का कोई जोर चला और ना ही यहां के जनप्रतिनिधि इस पर लगाम लगा सके

आग बुझाने करनी पड़ी मशक्कत :

बताया गया कि ग्राम रसैयादौना स्थित पोषण आहार सयंत्र दलिया फेक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग फेक्ट्री के गोदाम में लगी, दलिया फैक्ट्री के गोदाम में खाली जूट बैग, पोल्ट्री फीड और कोयला रखा हुआ था। आग ने गोदाम में रखे हुए सामान को नीचे तक चपेट में ले लिया था, जिसके कारण फायर बिगेड की टीम एक स्थान में आग पर काबू पाकर दूसरी ओर रुख करती तो थोड़ी ही देर में पुनः आग भड़कने लगती है। इस वजह से फायर की टीम को आग पर काबू पाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी है।

नौतपा के पहले दिन गिरा पानी

भुआबिछिया – भीषण गर्मी जेष्ठ मांस नो तपा की शुरुआत के प्रथम दिवस हुई वारिश, दिन में सुबह से तेज धुंध भरी धूप चिपचिपी पसीने वाली गर्मी फिर 3 बजे के बाद मौसम बना बादल गरजे हवा तूफान सा चला और उसी गर्मी के बीच वर्षा हुई मौसम ठंडा हो गया, ऐसे में मोसॉम विभाग ज्योतिष शास्त्र कहता है हर मौसम सेहत के हिसाब से सही होते हैं और उसी प्रकार से चलता है, मगर जब पुरे 12 महीने बरसात हो रही हो तो क्या होगा,? चारो ऋतुएं सर्दी ठंडी बरसात गरमी सभी मौसम में पानी गिरना है , अब तो न गर्मी समझ में आती और ना ये नो तपा इन दिनों में तेज गरमी से लोग हलाकन हो कर कूलर पंखा ऐसी के बिना रहना मुस्किल हो जाता था ,ऐसे मौसम पूर्वानुमान के अनुसार पानी गिर रहा आज नो तपा सुरु हुआ और उसी दिन से आंधी तूफान पानी भी चालू हो गया , इस मौसम में लोग घरों मै साल भर के हिसाब से खाने पीने के लिए अनाज सुखा कर रखा जाता था ,किन्तु अब ये बे मोशम बरसात के कारण वह भी नही कर पाते पहले कहा जाता था कि नो तपा की धूप में सूखा हुआ गेंहू पुरे साल रखा जाता था कभी खराब नहीं होता था, किन्तु अब नो तपा में बरसात होने लगी तो संभव नहीं हो सकता,

गरमी में बच्चो का आइस्क्रीम का मजा भी फीका पड़ने लगा जनवरी फ़रवरी से लगा तार ऐसा कोई पक्ष नही गया जिसने पानी ना गिरा हो अभि तो हर सफ्ताह वर्षा हो रही है ऐसे में बच्चे भी आइस्क्रीम खाना कम कर दिए कहा जाता है जब कभी मौसम का हाल इस तरह होता है बीमारियां ज्यादा बढ़ती है और स्वास्थ्य केंद्र में मौसमी बीमारियों के कारण संख्या बढ़ने लगती है इस कारण शासन प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को भी सचेत हो जाना चाहिए की अस्पतालों में चिकित्सा केंद्रों में पर्याप्त स्वास्थ्य व्यवस्था बनाए रखें ज्योतिष शास्त्र के ज्ञाता प पुरोस्त्तम सुक्ला ने बताया इस वर्ष मेष राशि की संक्रांति में पानी गिरने के कारण 12 महीने वर्षा की संभावना बनी रहती है जो इस वर्ष देखा जा रहा है

बाघ को देख पेड़ पर चढ़ा युवक

परिजनों को फोन पर दी घटना की जानकारी, लोकेशन के आधार पर वन विभाग ने ढूंढा

मण्डला। जिले के कान्हा नेशनल पार्क के नजदीकी गांव कामता का एक युवक शुक्रवार रात को बाघों से बचने के लिए पेड़ पर चढ़ गया। पेड़ से ही उसने अपने परिजनों को फोन लगा कर बचाने की गुहार लगाई। युवक ने फोन कर बताया कि पेड़ के नीचे बाघिन अपने शावकों के साथ खड़ी है। युवक का फोन आते ही गांव के लोग, पुलिस और वन अमले के साथ जंगल मे उसकी तलाश में जुट गए। लंबी तलाश के बाद देर रात युवक सुरक्षित मिल गया।

लिये पेड़ में चढऩे के दौरान युवक को मामूली चोट आई।

जानकारी अनुसार टाटरी चौकी अंतर्गत ग्राम कामता निवासी घंसलाल पिता टेकलाल नंदा 35 वर्ष मोटर साइकिल में आइसक्रीम बेचने का काम करता है। शुक्रवार की शाम जब वह आइसक्रीम बेच कर अपने गांव कामता लौट रहा था। इसी दौरान जंगल में उसका सामना बाघ फेमिली के साथ हो गया। युवक ने जान बचाने के लिए पेड़ पर शरण ली।

बताया गया कि युवक पेड़ से ही उसने फोन कर अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र होकर जंगल में युवक की तलाश के लिए निकल पड़े। ग्राम कामता के सरपंच बिहारी परते ने बताया कि पुलिस और वन अमले के साथ ग्रामीणों ने देर रात तक युवक की तलाश की। देर रात ग्राम भरवेली के नजदीक युवक मिल गया। उन्होंने बताया कि बाघ से बचने के तलाश की गई। देर रात 12 बजे उससे संपर्क हो गया। हमने पुष्टि की वह पूरी तरह से स्वस्थ और सुरक्षित है।

मोबाइल की लोकेशन से ढूंढा युवक को :

बम्हनी के रेंज ऑफिसर अजय बकोड़े ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 8 बजे उनके पास टाटरी वन समिति अध्यक्ष के माध्यम से सूचना आई थी कि एक व्यक्ति जंगल में है। उसके आसपास बाघ हैं तो वह उनसे बचने के लिए पेड़ पर चढ़ा हुआ है। तत्काल हमने अपनी टीम को उसकी तलाश में रवाना किया। साथ में पुलिस बल भी था, जंगल के बीच उसकी लोकेशन नहीं मिल पा रही थी। उसका मोबाइल बंद हो जाने की वजह से उससे सम्पर्क भी नहीं हो पा रहा था। तब पुलिस कंट्रोल रूम से उसके मोबाइल की लास्ट लोकेशन पता की गई। लास्ट लोकेशन की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग और पुलिस की टीम, स्थानीय सरपंच, वन समिति सदस्य और ग्रामीणों के साथ

क्षेत्र में सर्चिंग कर रहा वन विभाग:

अजय बकोड़े ने युवक से मिली जानकारी के आधार पर बताया कि वह युवक जंगल के रास्ते ग्राम कामता माल से भरवेली जा रहा था। रास्ते में उसकी बाइक का पेट्रोल खत्म हो गया तब वह अपनी बाइक को छोड़ कर पैदल ही निकल गया। उसी दौरान उसे एक बाघिन अपने तीन शावकों के साथ रोड़ पार करते नजर आई। बाघिन ने युवक पर हमले का प्रयास किया था। उन्होंने बताया कि रात का समय हमारी पहली प्राथमिकता उसे सुरक्षित बचाने की थी। अब दिन में हम क्षेत्र में सर्चिंग करा रहे हैं। पगमार्क मिलने पर घटना की पुष्टि होगी। आसपास के लोगों को अकेले जंगल में न जाने की समझाइश दी जा रही है।

अधिकारी बनकर मांगे दो लाख, आंगनवाडी कार्यकर्ताओं को ठगा

उप थाना अंजनिया की कार्यवाही, अनुपपुर जिले से आरोपी को किया गिरफ्तार

पदोन्नति के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली गैंग का खुलासा

मण्डला। जिले के विकासखंड बिछिया के चौंकी अंजनिया अंतर्गत एक आँगनवाडी कार्यकर्ता से मोबाईल पर स्वंय को महिला बाल विकास अधिकारी भोपाल का डिप्टी डायरेक्टर बताकर आंगनवाडी कार्यकर्ता से सुपरवाईजर के पद पर पदोन्नति करने के नाम पर फ्रॉड कर लाखों रूपए ठग द्वारा ऐठ लिए गए। जिसकी शिकायत संबंधित थाने में पीड़ित ने दर्ज कराई। जिसके बाद कार्रवाई करते हुए अंजनिया पुलिस ने ठगी करते हुए लाखों रूपए ऐठने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। बताया गया कि मप्र में जगह-जगह ऑनलाईन ठगी करने वाल गिरोह के सदस्य को अंजनिया चौंकी मंडला पुलिस की टीम ने जिला अनुपपुर से गिरफ्तार किया है। इस ठगी करने वालों की गैंग में तीन शातिर आरोपियों में से एक आरोपी छत्तीसगढ़ी गाने का यूट्यूबर भी शामिल है।

चौकी अंजनिया में आवेदिका श्रीमति अनुराधा पटैल निवासी ग्राम मांद चौकी अंजनिया आकर एक लिखित आवेदन पत्र देते हुए बताया की ग्राम अतरिया में आंगनवाडी कार्यकर्ता के पद पर वह पदस्थ हैं। 19 अप्रैल 2024 को उसके मोबाईन नंबर पर में किसी का फोन आया और उक्त व्यक्ति अपने को महिला बाल विकास विभाग संचालनालय भोपाल में डिप्टी डायरेक्टर होना बताया।

आंगनवाडी कार्यकर्ता हुई ठगी का शिकार :

उक्त व्यक्ति ने आंगनवाडी कार्यकर्ता से महिला बाल विकास विभाग में आंगनवाडी से सुपरवाईजर के पद पर पदोन्नति होना बताया। उसने कहां कि आपका नाम भी चयनित होना है। इसके लिये आपको दो लाख रुपये देना होगा और 60 हजार रुपये अभी देना है बाकी के रुपये माह जून में लिस्ट आने के बाद देना होगा। उक्त व्यक्ति ने यह भी बताया कि मेरे आफिस का बाबू सोभनाथ चौधरी जिसका फोन नंबर में पैसे डालना है। तब मैं उक्त व्यक्ति के झांसे में आकर मैने अलग-अलग तीन बार 60 हजार रुपये ट्रान्सफर कर दी थी। इसके बाद 20 अप्रैल को आँगनवाडी कार्यकर्ता सुषमा पटैल ग्राम खामटीपुर के द्वारा भी उक्त मोबाईल फोन पे नंबर पर 50 हजार रूपये एक मुश्त ट्रान्सफर करा गया। लेकिन उक्त मोबाईल धारक द्वारा अपना फोन बंद कर लिया गया है, ना ही इस संबंध में बात कर रहा है। मोबाईल धारकों के द्वारा हमारे साथ छल पूर्वक धोखाधड़ी कर रुपये हड़प लिये गये है।

अनुपपुर से किया आरोपी को गिरफ्तार :

आवेदिका द्वारा दिए गए आवेदन पर आरोपीगणों के विरुद्ध धारा 419, 420 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। बताया गया कि विवेचना दौरान मुखबीर व सायबर सैल के माध्यम से आरोपी शोभनाथ चौधरी को ग्राम चंगेरी जिला अनुपपुर में होने की जानकारी मिली। जिसके बाद मंडला पुलिस ने इसकी सूचना अनुपपुर पुलिस टीम को भेजी गई। जहाँ से आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर अन्य दो आरोपियों के साथ मिलकर प्लान बनाकर आँगनवाडी कार्यकर्ताओं को सुपरवाईजर के पद पर पदोन्नति देने के की बात मोबाईल पर करके फोन पे में पैसा डलवाकर पैसे हड़पे जाते थे।

चार माह में हुआ लाखों का ट्रांजेक्शन :

बताया गया कि पिछले 04-05 माह में आरोपी के खाते में 7-8 लाख रुपये का ट्रान्जेक्शन हुआ है। जिसके संबंध में अन्य जिलों में इसी प्रकार की शिकायतों व अपराध, फ्रॉड कायमी होने की जानकारी विस्तृत रूप से ली जा रही है। जहाँ-जहाँ से आरोपी के खाते में ट्रान्जेक्शन हुआ है उन जिलों के थानों में चौकी अंजनियां से जानकारी प्रेषित की जा रही है। 04-05 माह में आरोपी के खाते में 7-8 लाख रुपये का ट्रान्जेक्शन हुआ है। मामले में फरार दो अन्य आरोपियों की तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। फरार आरोपियों में से एक महेन्द्र तिवारी यूट्यूब पर छत्तीसगढ़ी गानों का कलाकार होकर काफी प्रसिद्ध है।

प्रशिक्षण में बताए गए कोदो-कुटकी की व्यावसायिक खेती के तरीके

मण्डला

मंडला विकासखंड के ग्राम जारगी में कृषक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें किसानों को जैविक खेती के बढ़ते महत्व तथा कोदो-कुटकी, चिया, रागी आदि मिलेट्स की

खेती को व्यावसायिक रूप प्रदान करने के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर परकलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि देश-दुनिया में मोटेअनाज की मांग लगातार बढ़ रही है। कृषक संगोष्ठी में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट,उपसंचालक कृषि मधु अली, परियोजना अधिकारी आत्मा परियोजना आरडी जाटव सहित संबंधित उपस्थित रहे।

अब अधिक मुनाफा दे रही है मोटे अनाज की खेती

कलेक्टर डॉ. सिडाना ने कहा कि कोदो-कुटकी सहित अन्य मोटे अनाज में पौष्टिक तत्वहोते हैं, जो हमें विभिन्न प्रकार के रोगों से बचाते हैं। वैज्ञानिक भी कोदो-कुटकी, चिया, रागी आदिमिलेट्स के उपयोग की सलाह देते हैं जिसके कारण इनकी मांग लगातार बढ़ती जा रही है। मोटे अनाज की खेती अब अधिक मुनाफा दे रही है। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि कोदो-कुटकी की खेती में उन्नत किस्म के बीज लगाएं तथा खेती में वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करें। मोटेअनाज की खेती में पानी की आवश्यकता कम पड़ती है। कलेक्टर ने कोदो-कुटकी के संग्रहण, प्रसंस्करण तथा मार्केटिंग आदि के संबंध में भी चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कतार पद्धति से करें बोनी

प्रशिक्षण में विषय-विशेषज्ञों द्वारा बतलाया गया कि खेती में कतार पद्धति से बोनी करनी चाहिए। प्रत्येक बीज से उपज प्राप्त होती है। वहीं छिड़काव पद्धति से बीज अधिक लगता है जिससे कृषि की लागत बढ़ती है। प्रशिक्षण में कोदो-कुटकी की खेती में कृषि यंत्रों के उपयोग तथा उपलब्धता के संबंध में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर किसानों नेअपने अनुभव साझा किए तथा अपनी शंकाओं के संबंध में समाधान प्राप्त किया।

मृदा सुधार के लिए जैविक खाद का करें उपयोग

प्रशिक्षण में किसानों को बताया गया कि कोदो-कुटकी, रागी, आदि मोटे अनाज की खेतीमें रसायनिक खाद की आवश्यकता नहीं है। जैविक खाद का उपयोग कर मिट्टी की उर्वराशक्ति बढ़ाई जा सकती है और उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। इन फसलों के लिए गोबर खाद, केंचुआ खाद, जीवामृत का उपयोग किया जा सकता है जो मिट्टी की उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मददगार होते है।

टूरिस्ट मोटल सरही में मनाया गया पर्यटन दिवस

मण्डला। शुक्रवार को मप्र राज्य पर्यटन विकास निगम की जिला ईकाई जंगल रिसोर्ट सरही में 46वां मध्यप्रदेश पर्यटन दिवस मनाया गया। यहां प्रबंधक योगेन्द्र चौधरी ने पर्यटन दिवस के महत्व को बताते हुए यहां पदस्थ कर्मचारी गाइड, ड्राईवर और वन कर्मचारियों के साथ चर्चा की। यहां पर केक काटते हुए पर्यटन दिवस की शुभकामनाएं दी गई। साथ ही कुछ प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, वहीं पर्यटकों को आज के दिवस का महत्व बताया गया। इस दौरान श्री चौधरी ने कहा कि मण्डला से कान्हा नेशनल पार्क के बीच सरही गेट में यह एक मात्र होटल है जिसमें पर्यटक रूका करते हैं। वहीं छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश सहित अन्य प्रांतो से यहां पर्यटक आ रहे हैं। बता दें कि मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों का विकास करने की दृष्टि से वर्ष 1978 में मप्र राज्य पर्यटन विकास निगम का गठन किया गया था। निगम कार्य पर्यटन स्थलों पर आवासीय, गैर आवासीय इकाइयों का संचालन, पर्यटकों को पर्यटन स्थलों की जानकारी सुलभ कराना, पर्यटन स्थलों पर साहित्य का प्रकाशन तथा पर्यटकों को परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना है। निगम के अन्य कार्यों में शामिल हैं। आवासीय इकाइयों में आरक्षण, राज्य के बारह निगम के सेटेलाइट कार्यालयों से पर्यटकों के लिए विभिन्न रूचि, अवधि एवं दरों के पैकेज टूरों का संचालन, पर्यटन स्थलों का अखिल भारतीय स्तर पर प्रचार-प्रसार, पर्यटन क्षेत्र से जुड़े ट्रेवल एजेंट्स, लेखक, फोटोग्राफर्स, विशिष्ट व्यक्तियों के लिए टूर का आयोजन, प्रदेश के पर्यटन स्थलों की व्यापक मार्केटिंग तथा प्रचार-प्रसार की दृष्टि से अंतरराष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलनों तथा ट्रेवल मार्ट आदि में भागीदारी, पर्यटन विभाग की परामर्शदात्री समिति, संभागीय समिति तथा शासन की पर्यटन संबंधी समितियों द्वारा लिए गए निर्णयों पर कार्रवाई है। निगम द्वारा प्रदेश के पर्यटन स्थलों पर आवास, खानपान, परिवहन सुविधा आदि उपलब्ध कराई जाती है। निगम द्वारा वर्ष 1996 में पर्यटकों को अधिक से अधिक सुविधाएं मुहैया कराने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। निगम द्वारा अमरकंटक में केंद्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा 30 बिस्तरों की क्षमता वाली इकाई हॉलि डे होम्स लीज पर प्राप्त की गई है। बता दें कि मण्डला जिले में पर्यटन विकास निगम के अब तीन होटल संचालित हो गए है जिसमें तिंदनी स्थित टूरिस्ट मोटल कान्हा मोचा स्थित बगीरा एवं कान्हा नेशनल पार्क के सरही गेट स्थित टूरिस्ट होटल है।

खबर संक्षेप

सट्टा पट्टी काटते हुये किया गिरफ्तार

गाडरवार। पुलिस द्वारा सटोरियों के खिलाफ की जा की जा रही कार्यवाही के चलते बीते हुये दिवस मुखबिर की सूचना पर छापा मारते हुये मौके पर केहर सिंह पिता भवानी प्रसाद विश्वकर्मा उम्र 58 साल निवासी विवेकानंद वार्ड का सट्टा पट्टी काटते हुये रंगे हाथों पकड़कर आरोपी के पास से सट्टा पट्टी सहित नगदी 380 रूपया जप्त किये। वही नगर के स्टेशन रोड नीलकंड होटल के पास रजजू पिता शुक्ल प्रसाद निवासी दिघोरी के पास से भी पुलिस ने सट्टा पट्टी सहित नगदी 300 रूपया जप्त करते हुये धारा 4 क जुंआ एक्ट के तहत मामला कायम किया गया है।

सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वाले पर मामला दर्ज

सांईखेड़ा। नगर के पुलिसे थाने से मिली जानकारी के अनुसार जब बीते हुये दिवस पुलिस द्वारा क्षेत्र का भ्रमण किया जा रहा था उसी दौरान नाग मडिया के पास कुछ लोग सार्वजनिक स्थान पर खुलेआम शराब पीते हुये दिखे जो पुलिस की गाडी देखकर भाग गये जहां पर एक व्यक्ति मौजूद मिला जिसको पुलिस ने अपनी हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम बारेलाल पिता गरीबदास अहिरवार उम्र 40 साल निवासी गुडा थाना बहेरिया जिला सागर बताया गया। इस तरह पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन करना पाये जाने से आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये कार्यवाही की गई है।

एक राय होकर की मारपीट

सांईखेड़ा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम निवावर निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने भाई जवाहर के साथ खेत में दवाई डालकर घर जा रहे थे कि रास्ते में पीतम चौधरी के यहाँ सामाजिक कार्यक्रम चल रहा था। हम दोनो भाई वहा से निकल रहे थे कि उसी समय पीतम के घर आये मेहमान सुखराम चौधरी निवासी कपूरी थाना बनखेड़ी तथा राकेश चौधरी ग्राम नंगवाडा आये और हम दोनो भाइयो से बोले की तुम दोनो यहाँ क्या कर रहे हो तो हमने कहाँ हम घर जा रहे है। इस दौरान उन लोगों द्वारा बगैर किसी कारण के गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

चाकू से बार करते हुये किया घायल

गाडरवारा। सांईखेड़ा पुलिस थान से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुयेदिवस ग्राम बम्होरी कला निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह गांव में ही रहने वाली मौसी के यहां जा रहा था तो रास्ते मे गांव का ही निवासी रामकृष्ण अहिरवार एवं उसका लडका भागचंद अहिरवार मिले और किसी पुरानी बुराई पर से गंदी गंदी गालिया देने लगे गाली देने से मना किया जाने पर से भागचंद ने पेंट की जेब से सब्जी काटने वाला चाकू निकालकर मारपीट करते हुये चोट पहुंचाई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर अरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

मारपीट कर चोट पहुंचाई

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस नन्हेवीर पिता धनराज गूजर उम्र 56 वर्ष निवासी पौडार तिराहा सालीचौका द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि में अपने छोटे भाई मकरन सिंह के साथ खेड़ पर बनी टपरिया में रहता हूं। बीते हुये दिवस वही के निवासी मुन्नू ठाकुर द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट की चोट पहुंचाई व जान से मारने की धमक दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

जंगल क्षेत्र के अनेक गांवों के निवासी कच्ची सड़क पर चलने के लिये हो रहे मजबूर, भ्रष्टाचार की सच्चाई उजागर होने के बाद भी प्रशासन की चुप्पी

पांच साल पहले लाखों की राशि से बनी हुई सड़क सहित पुल नदी में बह जाने के बाद सुधारने के लिये आज तक नहीं किये गये कोई ठोस प्रयास

हरिभूमि न्यूज/सिंहपुर छोटा। क्षेत्र के जंगल पट्टी गोटोरियाँ के आसपास निवास करने वाले लोग किसी तरह अपनी जिन्दगी व्यतीत करते हुये देखे जा रहे है यह सच्चाई शायद ही क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों से छिपी हो? क्योंकि जहां क्षेत्र के अनेक गांवों के लोगों को आज भी आने जाने के लिये सड़को का आभाव देखने मिल रहा है। वही दूसरी ओर यदि शासन द्वारा विकास के नाम पर प्रदान की जाने वाली राशि की सच्चाई इस तरह बंदर बांट होते हुये देखी जाती है कि वह विकास कार्य चंद दिनों में ही अपनी गुणवत्ता की सच्चाई को उपजार करने से नही चूकते है? इस तरह सही मायने में देखा जावे तो जंगल क्षेत्र में शासन द्वारा विकास के नाम पर राशि तो खर्च की जा रही है। मगर वहां पर होने वाले विकास कार्य जिस तरह गफलतबाजी की भेंट चढ़ते हुये देखे जाते है उसके चलते आज भी यहां पर रहने वाले लोग आज से 50 वर्ष पहले जैसी स्थिति में अपनी जिन्दगी काटने के लिये मजबूर होते हुये देखे जा रहे है? इस तरह सरकार द्वारा अंतिम छोर पर बैठे हुये लोगों के विकास नाम पर लाखों रूपया की राशि खर्च किये जाने के बाद भी उनके दिन बदलते हुये दिखाई नही पड़ रहे है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय गोटीटोरिया क्षेत्र के कुछ गांवों में देखने मिल रही है। कहने के लिये तो सरकार द्वारा यहां पर लगभग 12 वर्ष पहले ऊपर नदी में पुल सहित सड़क की स्वीकृति प्रदान करते हुये यहां के लोगों को पक्के मार्ग की सुविधा प्रदान करने के साथ शासन द्वारा लाखों रूपया खर्च किये गये थें। मगर वह मार्ग किस तरह गफलतबाजी की भेंट चढ़ गया है उसके चलते आज भी यहां के लोग कच्चे मार्ग पर पैदल चलते हुये देखे जा रहे है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2011 में शासन द्वारा राज्य एवं केन्द्रीय योजनाओं का अभिषरण के तहत 12 फरवरी 2011 को 2.1 किलो मीटर का पक्का मार्ग स्वीकृत किया गया था जिसकी लागत 41.21 लाख रूपया से करने की योजना थी। वही इस मार्ग व पड़ने वाले ऊपर नदी पर रिपटा नुमा पुल बनाने की जिम्मेदारी ग्रामीण यांत्रिकी संभाग नरसिंहपुर पर थी। इस कंपनी द्वारा स्वीकृति के उपरांत लगभग 7 वर्ष के बाद किसी भी तरह से ग्राम मानेगांव व कुकलोर के निवासियों के लिये मार्ग का निर्माण तो पूरा कर दिया गया था। मगर इस मार्ग के निर्माण के दौरान ही उसकी गुणवत्ता पर सबाल उठाना शुरू हो गये थें। मगर जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही देने का परिणाम इस तरह से देखने मिला था कि वर्ष 2018 में जब यह मार्ग व ऊमर नदी पर रिपटानुमा पुल बनकर तैयार होते होते वर्ष 2019 आ गया था। इस तरह पांच साल पहले यानि की 8 सितम्बर 2019 को क्षेत्र में हुई जरा सी बारिश ने इस सड़क व पुल के निर्माण की सच्चाई को इस तरह से उजागर किया गया था कि एक ही बाढ़ के दौरान पुल सहित जहां अनेक जगहो से सड़क बहते हुये बारिश के पानी में बहने से नही चूक पाई थी। जिसकी सच्चाई को हरिभूमि द्वारा अपने 10 सितम्बर 2019 के अंक में प्रमुखता के साथ उजागर किया गया था कि ग्रामीणों की सुविधा के लिये बनाया गया मार्ग किस तरह मात्र एक वर्ष की अवधि के दौरान बारिश में बह गया है? मगर इसके बाद भी प्रशासन से लेकर क्षेत्र के जिम्मेदारों की चुप्पी का आलम इस तरह से देखने मिला है कि शायद गफलबाजी के भेंट चढ़ी हुई लाखों की राशि से बनाई गई इस सड़क की जांच करना तक उचित नही समझा गया होगा? इस तरह लगभग पांच साल पहले नदी के पानी में बही हुई 2.1 किलो मीटर की सड़क व रिपटा नुमा पुल को लेकर आज तक जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा किसी भी तरह से ध्यान नही देने का परिणाम इस तरह से देखने मिल रहा है कि जहां टूटी हुई सड़क आज भी मौके पर मौजूद रहते हुये अपनी गफलबाजी की सच्चाई को बता रही है और बीते हुये लगभग पांच साल से इस क्षेत्र के अनेक गांवों के निवासी कच्चे मार्ग पर चलने के लिये मजबूर होते हुये देखे जा रहे है? इस तरह बड़ी मुश्किलों के बीच कई वर्षों के बाद यहां के निवासियों को प्राप्त हुई पक्की सड़क की सौगात ग्रामीणों के उपयोग में एक वर्ष भी नही आने के बाद नदी के पानी में बह जाने से लोग आज भी कच्चें मार्ग यानि की जुगाडनुमा व्यवस्था के भरोसे पर निकलते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर देखा जाता है कि जब बारिश का मौसम शुरू होते ही नदी में पानी का स्तर बढ़ जाता है तो यहां पर निवास करने वाले लोगों का शहरों से संपर्क टूट जाने के कारण वह चार माह तक अपने गांवों में कैद रहने के लिये मजबूर हो जाते है? इस स्थिति में जब कोई व्यक्ति बीमार पड़ जाते है तो निश्चित तौर से उसका भगवान ही मालिक होने से नही चूकते है और इसकी सच्चाई आने वाले महिनों में बारिश का दौर शुरू होते ही दिखाई देने लगेगा? इस तरह कहने के लिये तो सरकार द्वारा हर वर्ष ग्रामीणों की सुविधाओं को लेकर करोड़ो की राशि खर्च करते हुये विकास कार्य किये जा रहे है। मगर उन विकास कार्यो के नाम पर सरकारी धन की किस तरह होली खेली जा रही है इससे बड़ा उदाहरण शायद ही अन्य कही देखने मिल पायेगा? इस प्रकार से बीते हुये सितम्बर माह 2019 यानि की चार साल पहले जरासी बारिश के पानी में इस मार्ग के बह जाने के बाद आज तक न किसी अधिकारी ने इस ओर ध्यान देने की जरूरत महसूस की गई और न ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा जिसका परिणाम है कि यहां पर निवास करने वाले लोग आज भी पहले की तरह कच्चे मार्गो से आना जाना करते हुये देखे जा रहे है।

अभिषेक हत्याकांड के शेष दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार करते हुये न्यायालय में किया पेश

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। सूत्रों से मिली जानकारी के नगर में बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम केकरा निवासी अभिषेख उर्फ भूरा उर्फ बिल्ला पिता जमुना प्रसाद कौरव उम्र लगभग 22 वर्ष के नगर के शासकीय चिकित्सालय के पास स्थित आई सीआई बैक के सामने पेट व सीने में चाकू घोपते हुये हत्या की घटना के बाद जहां क्षेत्र में सनसनी का महौल निर्मित हो गया था। वही पुलिस द्वारा आरोपियों की पहचान वहां पर लगे हुये गुप्त केमरों की फुटेज पर करते हुये इस हत्या कांड में शामिल अमान चौहान को तो घटना के 24 घंटे के अंदर ही गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की ली गई थी। मगर अन्य दो आरोपी भागने में सफल हो गये थें। इस तरह फरार हुये आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने के लिये जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार द्वारा सखत आदेश दिये जाने पर उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन व नगर निरीक्षक उमेश तिवारी के नेतृत्व में बनाई गई अलग अलग टीमों द्वारा जहां तहां खोजबीन करते हुये शेष दो आरोपी आर्यन शर्मा व ब्रजेश परासर को गिरफ्तार करते हुये मा. न्यायालय के समक्ष पेशस करते हुये रिमार्ड पर लेकर पूछताछ किये जाने की खबर है? इस तरह नगर के मुख्य मार्ग पर घटित हुये यह हत्या कांड जहां पुलिस के लिये एक चुनौती बनने से नही चूक रहा था। मगर पुलिस द्वारा तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल करने की जानकारी मिल रही है? वैसे अभितक पुलिस द्वारा इस हत्याकांड के कारणों का सही रूप से खुलासा नही किया गया है कि आखिरकार तीन युवकों न मिलकर दिये गये हत्या की घटना को दिये गये अंजाम के पीछे छिपे हुये कौन से कारण है और आरोपियों को कहा से गिरफ्तार किया गया है।

श्री हनुमंत कथा के आयोजक मंडल का बसेडिया ने नगर आगमन पर किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि हमारे जिले में शीघ्र ही महान चंद बागेश्वर धाम धीरेन्द्र शास्त्री के चरण पडने वाले है और उनके दर्शनों के लिये भक्तो की भारी भीड़ उमडने से नही चूकेगी। जानकारी के अनुसार जिले के ग्राम नवलगांव में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र शास्त्री के मुखारबिंद से होने वाली हनुमंत कथा के आयोजक एडवोकेट अजय लोधी एवं उनकी मित्र मण्डली का आगमन बीते दिवस नगर गाडरवारा में हुआ। इस अवसर पर समाज सेवी तथा धार्मिक कार्यो में विशेष रूची रखने वाले ब्राम्हणदेव मुकेश बसेडिया सहित रघुनंदन संगीत ग्रुप गाडरवारा के द्वारा उनकी आगवानी कर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान नगर के गायत्री मंदिर में बसेडिया द्वारा आयोजक मंडल का मोती माला , दिव्य शिव वस्त्र व श्री हनुमान चालीसा भेंटकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर गायत्री मन्दिर में रघुनन्दन संगीत ग्रुप से शिवम दीक्षित, ,सत्यम वरहैया, लकी सोनी, सिद्धार्थ शर्मा, सोमू मांझी, सोनू साहू , सोनी, संजू ढिमोले, आदित्य शर्मा ,मयंक मालवीय,आशु रावत, कृष्ण शर्मा, ईशु शर्मा, विश्वास नामदेव, सुमित सोनी, आकाश अग्रवाल , प्रिंन्स श्रीवास ने अजय पटेल का स्वागत किया गायत्री परिवार के अध्यक्ष आर पी सिंह, नगर के वरिष्ठ पत्रकार अनिल गुप्ता, सिंधी समाज के वरिष्ठ जनो, प्रभात मौर्य,राजेश पचौरी द्वारा स्वागत किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुकेश बसेड़िया ने कथा में युवा शक्ति व नगर द्वारा यथा शक्ति सेवा का भरोसा दिलाया। साथ ही कथा के आयोजक अजय पटेल ने समस्त गाडरवारा नगर व आसपास के क्षेत्रों के सभी भक्तों से कथा में पहुंचकर संत मुनी के दर्शन करते हुये आशीवाद ग्रहण करने की अपेक्षा जताई गई।

अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की मुहिम लगातार जारी

गाडरवारा। शहर से लेकर गांव गांव बिक रही अवैध शराब पर अंकुश लगाने के लिय उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा तथा नगर निरीक्षक उमेश तिवारी द्वारा लगातार धरपकड़ मुहिम चलाई जा रही है। इसी के चलते बीते हुये दिवस पुलिस द्वारा नगर के कुचबंदिया मोहल्ला शक्ति चौक निवासी पप्पू कोरी पिता लेखराम कोरी उम्र 35 वर्ष को अवैध रूप से 4 लीटर शराब के साथ पकड़ा गया। इसी प्रकार से नगर के रायल्टी आफिस के पास एक महिला के पास से 4 लीटर कच्ची महुआ की शराब जप्त की गई।

मौसम के बदले मिजाज ने किसानों को डाला हैरत में

मूंग फसल को सुरिक्षत करने में जुडा क्षेत्र का अन्नदाता

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। दुनिया का पेट भरने वाला अन्नदाता किसान की परेशानियों को शायद ही कभी कोई नही समझ पता है क्योंकि जब किसान अपने खेतों में बोनी करने की शुरूआत करता है तो उसे जरूरी सामग्री प्राप्त करने के लिये भूखे प्यासे रहकर लम्बी लम्बी लाईनों में खड़ा रहने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाता है। मगर इसके बाद जब वह किसी भी प्रकार से अपने खेतों में फसल को लगा चुका होता है तो उसमें लगने वाले अनेक प्रकार की कीटों से बचाव को लेकर मंहगी से मंहगी दबाईयों का छिडकाव करने के लिये पैसा नही रहता है तो कर्ज उठाते हुये अपनी फसल की रक्षा के चलते कर्जदार बन जाता है और उसकी खेत में फसल तैयार होकर कटने की स्थिति में पहुंचती है तो प्रकृति की मार अन्न दाता का पीछा नही छोड़ती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है। लगातार प्रकृति की मार झेलते हुये किसानों द्वारा सूरज की तेज तपन का सामना करते हुये अपने खेतों में मूंग फसल इस उम्मीद के साथ लगाई गई थी कि इस वर्ष शायद किस्मत उनका साथ दे देगी और वह जूझ रहे आर्थिक तंगी से निजात पा जावेगे और इसी सोच के चलते मूंग फसल की सुरक्षा को लेकर उनके द्वारा काफी लगात भी लगाई गई थी जिसके चलते मुश्किलों के बीच तैयार हुई मूंग फसल इस समय किसानों के खेतों में कटने की तैयार हो चुकी है। मगर अचानक मौसम के बिगडते बनते हुये मिजाज ने किसानों को परेशानी में डाल दिया गया है। क्योंकि देखा जाता है कि आये दिन अचानक तेज हवा और आसमान में छाने वाले बादलों ने निश्चित अन्नदाताओं की रातों की नींद गायब कर दी है और इसी के चलते इस समय सूजर की तेज तपन की चिंता न करते हुये किसान अपने खेतों में खडी हुई मूंग फसल को सरक्षित घर लगाने की तैयारी में जुटा हुआ देखा जा रहा है? इस तरह किसानों को मूंग फसल की कटाई से लेकर घर तक लाने के लिये काफी लगात लगाना पड़ रही है। क्योंकि दिनों दिन बढ़ रही महंगाई के बीच किसानों के लिये हर कार्य महंगे दामों में कराना पड़ रहा है और वह दिन रात अपने खेतों में नजर आते हुये मूंग फसल की कटाई में जुटा हुआ देखा जा रहा है? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि इस तरह रात दिन एक करते हुये किसानों द्वारा तैयार की गई मूंग फसल को यदि सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर नही खरीदा गया तो निश्चित तौर से किसान व्यापारियों को अपनी मूंग ओने पोने दामों में विक्रय करने के लिये मजबूर हो जावेगे और इससे उनके द्वारा इस फसल को तैयार करने में लगाई गई लगात प्राप्त करना भी मुश्किल हो जावेगा? क्योंकि अभी तक सरकार द्वारा यह बात उजागर नही की गई है कि उसके द्वारा किसानों की मूंग फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदा जावेगा कि नही इसी के चलते क्षेत्र के किसान अपनी मूंग फसल को लेकर असमंजस की स्थिति में पड़े हुये दिखाई पड़ रहे है।

जब सरकारी कार्यालयों में अधिकारी ही नहीं होंगे तो फिर शासन की योजनाओं का लाभ मिलने की कल्पना कहां तक संभव हो सकती है...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। यह बात अलग है कि केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रकार की जन कल्याणकारी योजनाएं चलाते हुए वह आमजन का भला करने की सोच रखे हुए है, मगर उन योजनाओं का सही क्रियान्वयन की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह अनेक विभाग में चल रही अधिकारियों व कर्मचारियों की कमी के चलते शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन मात्र औपचारिकता पूर्ण ही साबित होते हुए जान पड़ रहा है? क्योंकि सरकार की बेहतर मानी जाने वाली जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की गति वर्तमान में धीमी होने की स्थिति में इन दिनों क्षेत्रवासी निराशा में डूबने मजबूर हो गए है? जानकार सूत्रो के अनुसार यदि देखा जावे तो सरकार आमजनों के हितों को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई अधिकांश योजनाओं के जमीनी धरातल पर अमल में लाने के लिए शासकीय विभागो में कर्मचारियों की कमी बाधा बन रही है या फिर अधिकारी अपनी वाही वाही लूटने के उद्धेश्य से उन योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के नाम पर सिर्फ कागजों तक सीमित रखते हुए सिर्फ औपचारिकता निभाते हुए ही जान पड़ रहे है? क्योंकि लगातार जन सुनवाई कार्यक्रमों का आयोजन होने के बाद भी आये दिन लोगों को अपनी समस्याओं के चलते अधिकारियों से लेकर नेताओं के कार्यालयों के चक्कर काटते हुये आसानी से देखा जा रहा है। जिसमें उनके द्वारा अपनी शिकायतों में यह बात का उल्लेख करते हुये देखे जा रहे है कि उन्हें इस योजना का लाभ नही मिल रहा है या फिर इस समस्या से जूझ रहे है? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब शासन के अधिकारियों द्वारा निर्धारित दिवसों पर जन सुनवाई या फिर शिविरों का आयोजन करते हुये शासन की योजनाओं का लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है तो फिर इसके बाद लोग परेशान होते हुये क्यों घूम रहे है, निश्चित ही आम लोगों को परेशान होते हुये देखकर इस बात का खुलासा होने से नही चूक पा रहा है कि अधिकारियों द्वारा आमजन की समस्याओं का निराकरण करने या फिर में दिलचस्वी नही ली जा रही है या फिर मात्र औपचारिकता ही निभाई जा रही है, जिसके चलते आम लोगों को परेशान होते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है? वही दूसरी ओर अनेक शासकीय विभाग कर्मचारियों की कमी से भी जूझते हुये देखे जा रहे है जिसके चलते आमजनों के लिये परेशानी का कारण साबित होने से नही चूक पा रहा है, क्योंकि इस समय अनेक शासकीय विभागो में कार्यरत कर्मचारियो के सेवानिवृत्त होने का सिलसिला चल रहा है और बहुत से शासकीय कर्मचारी ऐसे है जिन्हे तबादला फेक्ट्री की भेंट चढ़ा दिया गया है। जिसके चलते अनेक विभागों में खाली हुई पदों की भरपाई नही होने की स्थिति में वह पद खाली पड़े हुये है जिनके माध्यम से आम लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सकता था, मगर जब उन पदों पर जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी ही नही होगे तो फिर शासन की योजनाओं का समय पर लाभ मिल पाना मात्र एक कल्पना के आलवा और कुछ साबित होने वाला नही है?

स्वरूचि भोज अब गांवों में भी बना फैशन, लाखों के अन्न की हो रही बरबादी ?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। कुछ साल पहले तक गांव देहात मे जिसे गिद्धभोज कहा जाता था वह बफर सिस्टम अब गांवों में भी एक रूप से रिवाज बन चुका है? जो लोग आज हमारे हिन्दू धर्म की परम्परा के अनुसार पंगत से यानि प्रतिभोज कराते है उन्हें लोग हीन भावना से देखने लगे है? यहां तक की गांव कस्बों मे भी स्वरूचि भोजन ने पंगत का स्थान ले लिया है, कहते है कि नकल मे भी अकल की जरूरत होती है, जिसकी हमारे मध्यमवर्गीय समाज मे निहायत कमी नजर आती है? नतीजा यह है कि जिस देश मे करोड़ों लोग दाने- दाने को मोहताज है, उसी देश मे आज के समय में शादियों और इस तरह के अन्य समारोहो मे आयोजित होने वाले बफर यानि स्वरूचिभोज मे लोग बेरहमी से तमाम खाद्य पदार्थ प्लेटों मे भरकर और आधा अधूरा खाकर हजारों रूपये के खाद्य पदार्थ यानि की अन्न देवता की बरबादी कर रहे है, जबकि सही मायने में देखा जावे तो उस भोजन अन्न के लिए आज भी कई परिवार तरस रहे है? आमतौर पर कुछ समय पहले तक हमारे देश में लोग पंगत मे बैठकर खाने को लोग सम्मान की दृष्टि से देखते थें, मगर अब लोगों ने अपनी फैसन के चलते उसे भूलकर बफर में खड़े होकर खाने को अपना सम्मान समझने लगे है? चाहे धनाढ्य वर्ग हो या मध्यमवर्गीय परिवार इस भोज को उसने अपनाया है और लोगों के सामनें अपनी हैसियत दिखाने के लिए वह तरह तरह के व्यंजन बफर मे रखता है और लोगों के जीभ मे व्यंजन देखकर पानी भर आता है और लोग असत्तपन की हद तक जाकर अपनी प्लेटों मे खाना तो भरपूर रख लेते है पर खा नही पाते और उसे थोड़ी देर बाद पास मे पड़े डिब्बे मे छोड़ देते है और बाद मे बेटरों द्वारा इस महत्तवपूर्ण भोज्य पदार्थ को ले जाकर कचरे के ढेर जैसे लगा दिया जाता है? कुछ गरीब तबके के लोग इसी ढेर से खाद्य सामग्री बीनकर अपना व अपने बच्चों का पेट भरते है और बाकी खाद्य पदार्थ फेंक दिया जाता है? पहले यह होता था कि पंगत मे लोगों को बैठाकर पूछ पूछकर खाना परोसा जाता था, लोगों को इसमे आत्मानुभूति होती थी, पेट भी भरता था और खाने की बरबादी भी नही होती थी और पगंत में पतल में खाने में मजा भी आता था, परन्तु अब इसके उलट स्वरूचिभोज यानि बफर एक फैशन बन गया है और उसमे खाने की बरबादी भी शामिल हो गई है। लोग प्लेट मे लेकर छोड़ देने की आदत को रिवाज सा समझने लगे है। जिस तरह भोजन की बरबादी होती है यदि वही भोजन किसी गरीब बस्ती मे बांटा जाये तो कई भूखे परिवारों का पेट भरा जा सकता है।

बगैर अनुमति के चल रहे निर्माण कार्यों का नगर पालिका टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर कार्यवाही के दिये निर्देशन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शहर में अक्सर देखा जाता है कि लोगों द्वारा प्लाट खरीदने के बाद वह उसे अपनी संपत्ति समझते हुये मन के मुताबिक कार्य करना शुरू कर देते है। मगर नियम के अनुसार जब नगर पालिका क्षेत्र में किसी भवन का निर्माण किया जाता है तो उसके लिये शासन द्वारा बनाये गये निर्धारित माप दंडों का पालन करते हुये नगर पालिका परिषद से अनुमति लेना जरूरी होता है। मगर नगर में देखा जा रहा है कि लोग बगैर किसी अनुमति के मन के मुताबिक बहुमंजिला भवन खड़े करने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। इसी के चलते बीते हुये शनिवार को मुख्य नगर पालिका अधिकारी वैभव देशमुख ने अपनी नगर पालिका टीम के साथ नगर में इस तरह बगैर अनुमति से रहवासी व व्यापारिक भवन जो बगैर सक्षम अनुमतित के चल रहे है उनका निरीक्षण करते हुये भवनों निरीक्षण करते हुये उनके खिलाफ कार्यवाही के लिये आदेश जारी किये गये है। नगर पालिका की जांच टीम द्वारा बताया गया है कि नगर में अनेक जगहों पर कुछ इस तरह के भवन निर्माण होते हुये भी देखे गये जिनके पास रहवासी निर्माण की अनुमति प्राप्त की गई है ओर उनका वह व्यापारिक उपयोग कर रहे है। इस तरह प्रारंभिक चरण में नगर पालिका अधिकारियों द्वारा 14 भवन मालिकों को चिन्हित किया है जिनके भवन बडे एरिया में 2 या फिर 3 मंजिल से अधिक है और उनकी लागत 50 लाख या उससे अधिक है। नगर पालिका अधिकारी द्वारा सभी भवन निर्माण करने वाले लोगों को निर्देशित किया गया है कि वह भवन निर्माण के पहले नगर पालिका से शासन के नियम अनुसार अनुमति प्राप्त करने के बाद ही अपने भवनों का निर्माण करे। यदि बगैर अनुमति के निर्माण करते हुये पाये जाने पर नगर पालिका द्वारा सख्त कार्यवाही की जावेगी।

खबर संक्षेप

घोघरा नदी का किया गया संरक्षण

डिंडौरी। म.प्र. जन अभियान परिषद विकासखंड समन्यव्यक समन्वयक गणेश सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में ग्राम लाखो के घोघरा नदी में नदी स्वच्छता अभियान कार्यक्रम संपन्न हुआ। डिण्डौरी जिला के स्थापना दिवस के अवसर पर ग्राम 26 व्यक्तियों द्वारा श्रमदान कर नदी के तटों पर लगे झाड़ियां, घास एवं गाद की सफाई की गई जल के बहाव को रोकने हेतु कच्चा बांध बनाया गया। जिसमें नबांकुर संस्था से कुंदन दास, मनोज मार्को, जगदीश मरावी, विखाम धुर्वे, राजीव वर्मन, मेंटर प्रकाश राजपूत, ब्रजमोहन, हनुमंत, ललित उईके, आनंद गवले, रतन बेलिया व प्रस्फुटन समिति से कोमल दास, राजकुमार बनवासी, सतीश, राजेश, कन्हैया सरोते, एमएसडब्ल्यू के छात्र छात्राऐ सुमरतो बाई सरौते, अमीना मानिकपूरी, सुरेंद्र इटोरिया, अरुण चंदेल, बीएसडब्ल्यू के छात्र प्रमोद मरकाम सहित अन्य ग्रामीण लोग उपस्थित रहे ।

अवैध शराब के साथ युवक धराया

डिंडौरी। कोतवाली थाना अन्तर्गत पुरानी डिण्डौरी स्थित वार्ड नं.13 के बनवासी मोहल्ला में शुक्रवार को शाम लगभग 4.30 बजे मुखबिर की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने एक व्यक्ति अवैध रूप से विक्रय करने की नियत से रखी हांथ भट्टी की बनी देषी महुआ शराब बरामद करते हुए आबकारी अधिनियम की धारा 34(ए) के तहत कार्यवाई की है। आरोपी को जमानती मुचलका में रिहा कर न्यायालय में पेषी तारीख में उपस्थित होने नोटिस तामील किया गया है। आरोपी से नाम पता पूछने पर अपना नाम गुलाब बनवासी पिता जियालाल बनवासी उम्र 50 साल निवासी वार्ड 13 बनवासी मोहल्ला बंधान के पास बतलाया । उसके कब्जे से 6 लीटर हांथ भट्टी की कच्ची महुआ की शराब कीमत 6 सौ रूपये बरामद किया गया है। कार्यवाई सहायक उपनिरीक्षक राघवेन्द्र सिंह ने की है।

चांड़ा में आयोजित होगा स्वास्थ्य शिविर

डिंडौरी। 26 मई को ग्राम चाड़ा में स्वास्थ्य कैंप आयोजित की जा रही है। जिसमें अरविंदो महाविद्यालय इंदौर की 45 सदस्यीय टीम लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराएंगी। जिसके लिए जिला प्रशासन के आयुष विभाग, स्वास्थ्य विभाग, वन विभाग और महिला बाल विकास विभाग को कलेक्टर ने तैयारियों के संबंध में आवश्यक निर्देशित किया। जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का निदान किया जा सके। साथ ही शासकीय कर्मचारियों को भी स्वास्थ्य समस्याएं होने पर कैंप के तहत स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करायी जाएंगी। 27 मई को डिंडौरी के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में ही उत्कृष्ट विद्यालय में वन मेला का आयोजन किया जाएगा। जिसके तहत पूरे जिसे से विभिन्न वैद्य आयुर्वेद शास्त्र पर लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएंगी। इसी के तहत उत्कृष्ट स्कूल में ही एसएल वर्ल्ड का कार्यक्रम भी होगा।

एकदिवसीय वेबिनार आयोजित

अमरपुर। शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में उच्चशिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन भोपाल के आदेशानुसार एवं महाविद्यालय के प्राचार्य संदीप सिंह के मार्गदर्शन में 27 मई समय दोपहर 12 बजे विषय तकनीकी प्रयोग एवं साइबर जागरूकता पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन होने जा रहा हैं। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में भुराज साहू चीफ इंजीनियर व्छळब गुजरात एवं डॉ. संतोष कुमार प्रजापति सीनियर रिसर्च साइंटिस्ट कर्नाटक और अपने प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालय के अतिथि के रूप में सहभागिता कर तकनीकी विषय पर जानकारी साझा करेंगे, वेबिनार के संयोजक डॉ. स्वर्णिम पटेल, डॉ. दीपक कुमार सिंगरौल, डॉ.सुनील काकोडिया, समन्वयक डॉ. सीमा सस्त्या, देवप्रकाश उइके, रूपेंद्र वरकड़े, आयोजन समिति डॉ. पवन कुमार वर्मा, डॉ. पुष्पेंद्र तिवारी, डॉ. प्रियंका दहिया तकनीकी सहायक समीर धुर्वे सहित महाविद्यालय के समस्त स्टाफ की सक्रिय सहभागिता रहेगी।

सीएमएचओ से किसी भी पैथालॉजी को इजाजत नहीं

अवैध पैथालॉजी सेंटर में हो रहीं मरीजों की जांच

प्रशासनिक उदासीनता और विभागीय लापरवाही के बलबूते जिले में मरीजों से जांच के नाम पर लूट मची है। प्रशासनिक अनदेखी के चलते शहर से लेकर गांव तक बिना पेथॉलोजिस्ट और बिना रजिस्ट्रेशन के अवैध पैथोलॉजी संचालित की जा रही हैं।

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

इनके पास मेडिकल बेस्ट और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का अनापत्ति प्रमाण पत्र भी नहीं है। इसके बावजूद आजतक स्वास्थ्य अमले ने किसी भी पैथोलॉजी लैब के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की है। इतना ही नहीं ऐसे पैथोलॉजी संचालकों ने सरकारी अस्पतालों को भी हाईजेक कर रखा है। जिले में अधिकांश पैथोलॉजी जिला अस्पताल के आसपास व अगल-बगल में संचालित हैं। जो व्यवस्था को चुनौती दे रहे हैं। इनको सीधे तौर पर लाभ पहुंचाने को कुछ चिकित्सक भी मेहरबान रहते हैं। ऐसे चिकित्सक बाहर के लैब पर ही मरीजों को जांच कराने की सलाह देते हैं। बता दें कि जिला स्वास्थ्य विभाग के अभिलेखों में कोई भी पैथोलॉजी लैब दर्ज नहीं है। लेकिन जिले में दर्जनों पैथोलॉजी में मरीजों की जांच की जा रही है और बाकायदा जांच रिपोर्ट भी जारी हो रही है। जिसके बाद इनके संचालन पर सवाल उठ रहे हैं।

क्लीनिक की आड़ में संचालन

गौरतलब है कि शहर में ही छह से अधिक अवैध पैथोलॉजी लैब मापदंड को हासिये पर रख चल रही हैं। अहम बात यह है कि इसकी जानकारी प्रशासनिक और स्वास्थ्य अधिकारियों को भी है। बावजूद इसके जिम्मेदार अंजान बने हुए हैं। कार्रवाई नहीं होने की वजह से अवैध लैब संचालकों के हौंसले इतने बढ़ गए हैं कि लैब में मरीजों का खुले आम खून चूसा जा रहा है, क्योंकि इन लैब में कराई गई जांचों की रिपोर्ट कितनी सही होगी, इसका जवाब देने के लिए कोई भी तैयार नही है।ऐसा लगता है कि स्वास्थ्य विभाग अवैध रूप से संचालित पैथोलॉजी लैब पर कार्रवाई के मूड में ही नहीं है।नतीजन मरीजों की हेल्थ से खिलबाड़ जारी है। प्रशासनिक अनदेखी की बदौलत झोलाछापों ने क्लीनिक के साथ पैथोलॉजी लैब भी खोल रखी हैं।

न्यायालय के आदेशों का उल्लघंन

जानकारों के मुताबिक दिसंबर 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने पैथोलॉजी जांच की रिपोर्ट को प्रमाणित करने के लिए एमसीआइ (मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया) द्वारा पंजीकृत तथा पोस्ट ग्रेज्युएट डिग्रीधारक चिकित्सक को ही अधिकृत माना है।जबकि जिले में नॉन पैथोलॉजिस्ट तथा झोलाछाप चिकित्सा कर्मी भी खून,पेशाब,खंखार सहित रिपोर्ट भी दे रहे हैं।जो गलत होने के साथ स्वास्थ्य अधिनियम का भी खुला उल्लंघन है।इसके पालन नहीं करने पर कैद और जुर्माना का प्रावधान है।

कमीशन का खेल

जिले में पैथालॉजी सेंटर की बाढ़ के पीछे जांच हेतु सलाह देने वाले चिकित्सकों के कमीशन का खेल जुड़ा है।प्रत्येक जांच के लिये फीस के हिसाब से कमीशन तय होता है,जो सैकड़ा से हजारों तक होता है।

20 रुपया में 110 जांच की सुविधा

अनाधिकृत,महंगी और फर्जी जांचों पर लगाम लगाने हेतु जिला अस्पताल में मात्र 20 रुपये में 110 प्रकार की पैथालॉजी जांच की सुविधा उपलब्ध है।यहां आधुनिक उपकरणों के जरिये सरकारी तौर पर अधिकृत जांच रिपोर्ट जारी की जाती है।लेकिन जागरूकता की कमी के चलते मरीज इसका लाभ नहीं ले पा रहे।इसमें कमीशन के चक्कर मे चिकित्सकों की भूमिका भी संदिग्ध है।

इनका कहना है

हमारे कार्यालय में पैथालॉजी संचालन हेतु कोई भी आवेदन नहीं आये हैं।किसी को भी पैथालॉजी संचालन की अनुमति जारी नहीं की गई है।अवैध संचालन पर कार्रवाई की जावेगी।

-डॉ रमेश मरावी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डिंडोरी

रिपोर्ट की विश्वनीयता पर सवाल

आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था मुहैया कराने के लिए सरकार द्वारा भले ही लाख दावे किए जा रहे हो। लेकिन, हकीकत यही है कि आज भी जिले में संचालित अधिकांश जांच घर बिना मान्यता और अनुमति के संचालित हैं। आलम यह है कि अधिकांश जांच घरों में अप्रशिक्षित कर्मियों द्वारा ही मरीजों का खून, पेशाब व अन्य जांच की जा रही है। हैरान करने वाली बात तो यह है कि इसी आधार पर चिकित्सकों द्वारा मरीजों का ईलाज और दवा लिखी जा रही है। जिसका आर्थिक,शारीरिक और मानसिक खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है।इस बाबद प्रशासन भी गंभीरता नहीं दिखा रहा है।

जांच हेतु मनमाफिक वसूली

नियमानुसार प्रत्येक जांच के लिए रेट चार्ट भी लगाने का स्पष्ट निर्देश है। इसके पीछे मूल उद्देश्य यह है कि जांच के नाम पर मरीजों से निर्धारित राशि ही वसूल की जाए और इसमें मनमानी न हो। लेकिन, जिले के अधिकतर जांच केंद्रों पर शुल्क तालिका नहीं लगी है। इसके कारण जैसा मरीज,वैसा शुल्क का फॉर्मूला अपनाया जा रहा है।

योग्यता और रजिस्ट्रेशन दरकिनार

लैब संचालन के लिए शासन द्वारा विधिवत नियम लागू किए गए हैं, लेकिन जिले में आश्चर्यजनक रुप से डीएमएलटी व उनके सहयोगी तक लैब संचालित कर रहे हैं, वे ही रिपोर्ट में साइन करके दे रहे हैं, जबकि लैब संचालक एमबीबीएस, एमडी पैथोलॉजिस्ट होना चाहिए। इतना ही नहीं अवैध तरीके से संचालित हो रहीं लैब के पास न ही नियमानुसार पॉल्यूशन बोर्ड का रजिस्ट्रेशन है और न ही पंजीकृत मेडिकल वेस्ट फर्म का पंजीयन है।

साइड देने के चक्कर में गड्ढे में गिरी बाईक,1 की मौत,1 गंभीर

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। शाहपुर थाना अंतर्गत जबलपुर मार्ग पर धनगांव मोड़ पर बस को साइड देने के चक्कर मे बाइक चालक के हांथों वाहन अंसतुलित हो गया और रोड किनारे गड्ढे में घुस गया।हादसे में एक युवती की मौत हो गई।जबकि बाइक चालक की जुबान कट गई है।जिसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।प्राप्त जानकारी के मुताबिक नन्नी बाई पिता डीमक आर्मो 21 साल निवासी रमपुरी और डमनिया बाई पिता जयकरन धुमकेती 22 वर्ष निवासी रमपुरी शनिवार को सिलाई मशीन खरीदने डिंडोरी आई थीं।वापस जाते समय दौनो की मुलाकात मनोहर पिता कमल सिंह कुंजाम से हुई।फिर तीनो बाईक क्रमांक डच्र्2। 4854 से विक्रमपुर की तरफ निकल गये।जब वह शाम लगभग साढ़े चार बजे धनगांव पहुंचे तो जबलपुर की तरफ से तेज गति से आ रही बस को साइड देने के चक्कर मे बाईक अनियंत्रित हो गई और रोड किनारे गिर गई।हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची शाहपुर पुलिस ने तीनों को जिला अस्पताल पहुंचाया।जहाँ चिकित्सकों ने नन्नी को मृत घोषित कर दिया।मृतिका को सिर में अंदुरुनी चोट आई हैं।वहीं बाईक चालक मनोहर की जीभ कट जाने के कारण उसका उपचार जारी है।पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पीने के पानी को मोहताज उमरिया ग्राम के ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

डिंडोरी जिला के जनपद पंचायत करंजिया अंतर्गत ग्राम पंचायत उमरिया का यह मामला है जहां आजादी के 75 वे साल में भी यहां के ग्रामीण बूंद बूंद पानी का मोहताज हो रहे हैं जिम्मेदार पल्ले झाड़ रहे हैं ग्राम पंचायत उमरिया की पोशक ग्राम कोटलाही भर्रा में लोगों के पीने का पानी का भी व्यवस्था नहीं है जबकि ग्राम पंचायत इसकी पूर्ण जिम्मेदार कहलाती है लोगों से जानकारी मिली है कि इस मोहल्ले में लगभग 30 से 35 घर के लोग गुजर बसर करते हैं यहां महेश के खेत में एक छोटा सा झिरिया है जिसमें करीब दो-तीन बाल्टी पानी रहता है और लोगों ने बताया कि यह पानी खत्म होने के बाद दो-दो तीन-तीन किलोमीटर दूर से पानी की व्यवस्था किया जाता है जबकि सरकार का योजना जल जीवन मिशन, नल जल योजना, कपिलधारा कूप निर्माण जैसे अन्य योजना चालू है परंतु जिम्मेदारों के द्वारा इन लोगों के लिए कोई भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है मजबूर ग्रामीणों ने इस समस्या को अधिकारी कर्मचारीयो के सामने भी बताया है परंतु सुनने वाला कोई नही है ग्रामीणों ने यह भी कहा है कि समस्या का समाधान किया जाए हम आज से नहीं पूर्व से पंचायत एवं विभाग के पास अपने मांगे करते आ रहे हैं परंतु हमें झूठा दिलासा दिया जाता है और आए दिन हमें यह समस्याओं का सामना करना पड़ता है पीएचई विभाग भी इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है इस तरह से ग्रामीणों का जीना दुर्लभ हो गया है लोगों के पास पीने की पानी की व्यवस्था नहीं हो पा रही है मजबूर ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट के घिराव करने के बात कह रहे हैं उसके बाद भी अगर उनकी नहीं सुनी जाएगी तो उग्र आंदोलन करने के बारे में भी कह रहे हैं इनकी मांगे जायज है जहां तक विभाग की बात है तो इन ग्रामीणों की बात क्यों नहीं सुनी जा रही है जबकि माननीय प्रधानमंत्री के द्वारा घर-घर पानी पहुंचाने का योजना चालू की गई है देखने के विषय तो यह है कि लोगों ने अपनी जानकारी मीडिया के माध्यम से साझा की है इससे क्या अधिकारी कर्मचारी और पंचायत प्रतिनिधियों का आंख खुलेगी भी या ऐसा ही रहेगा।

दीदी कैफे डिंडोरी में बाल आशीर्वाद कैंप का आयोजन

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

बाल आशीर्वाद योजना जिसमें ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता का देहांत किन्हीं कारणों से हो जाने के कारण इस योजना का लाभ दिया जाता है। उनके माता-पिता ना होने के कारण इनके आवश्यक दस्तावेज अभिभावकों के द्वारा ध्यान न देने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश में ऐसा पहला जिला जहां पर इस तरह जिला प्रशासन ने उनके मूल दस्तावेज तैयार हेतु कैंप का आयोजन किया गया।

इस कैंप में निम्न विभागों का विशेष योगदान रहा

1 राजस्व विभाग के द्वारा इन निराश्रित बच्चों के आवश्यक दस्तावेज जाति प्रमाण पत्र आधार कार्ड निवास प्रमाण पत्र चल अचल संपत्ति के दस्तावेज फोती नामांतरण आदि महत्वपूर्ण दस्तावेज आज तैयार किए गए।

2 स्वास्थ्य विभाग के द्वारा उनका स्वास्थ्य कार्ड इनका स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक टेस्ट किए गए साथ ही साथ आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए।

3 जनपद पंचायत डिंडोरी समनापुर, मेहद्वानी के द्वारा समग्र आईडी में सुधार एवं केवाईसी की गई।

4 ई-गवर्नेंस के द्वारा विशेष तौर से कैंप के दौरान 14 आधार कार्ड तुरंत बनाया गया।

5 शिक्षा विभाग के द्वारा बच्चों का शिक्षा काउंसलिंग किया गया जिसमें बच्चे 9, 10, 11 एवं 12 कक्षा के छात्र को शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण समझाइश दी गई।

शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने हेतु भिन्न-भिन्न प्रकार के पहलुओं को समझाते हुए उन्हें आगे बढ़ाने के टिप्स दिए गए। साथ ही साथ छात्रावास में प्रवेश हेतु कृपया किसी प्रकार से किन दस्तावेजों को किस समय पर आप स्कूल और छात्रावास में प्रवेश ले सकते हैं। छात्रावास में प्रवेश संबंधी दस्तावेज प्राप्त किए हैं।

जिले में 180 बच्चे चयनित है। आज बाल आशीर्वाद कैंप में केवल 172 बच्चे उपस्थित हुए हैं जिनका स्वास्थ्य परीक्षण आवश्यक महत्वपूर्ण दस्तावेज, बच्चों की चल अचल संपत्ति का संरक्षण हो सके जिसके लिए राजस्व विभाग ने फोती नामांतरण हेतु चिन्हित किए गए हैं। चार बच्चों को दिव्यांग हित लाभ हेतु चयनित किया गया है साथ ही साथ कैंप के दौरान बच्चों के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी विजेता चित्रकारों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस कैंप में समग्र आईडी की केवाईसी 28 आधार कार्ड अपडेट 14 आयुष्मान कार्ड 33 जाति प्रमाण पत्र 27 आवेदन प्राप्त 59 छात्रावास हेतु चयनित हुए 69 बच्चों को शिक्षाप्रद पुस्तक वितरण एवं 114 हेल्थ चेक का किया गया।

बाल आशीर्वाद कैंप में विशेष सहयोग करने वाले अधिकारी एसडीएम देवगन जी, श्याम सिंघौर महिला बाल विकास अधिकारी, संतोष शुक्ला सहायक आयुक्त आदि जाति कल्याण, रतीसिरम जिला शिक्षा अधिकारी, डॉ रमेश मरावी डॉक्टर अशोक वर्मा डॉक्टर प्रकाश एवं उनकी टीम मौजूद रहे। साथ में डीपीओ तहसीलदार शशांक जी सीईओ जनपद पंचायत डिंडोरी, टीटू परस्ते आशीष पांडे रंजीत ठाकुर दीपक साहू चेतराम अहिरवार एसके द्विवेदी मनीषा नीतू तेलगांव महाराणा प्रताप सिंह जितेंद्र ठाकुर राजस्व विभाग के समस्त पटवारी अधिकारी मौजूद रहे बी डी सोनी चा कोकड़यि पुरुषोत्तम राजपूत स्वास्थ्य विभाग से डॉक्टर ममता देवांगन डीपीएम कुशवाहा आरके पटेल जितेंद्र ठाकुर अजीब का मिशन के प्रबंधक डी के दास एवं उनकी टीम का विशेष सहयोग रहा।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने बाल आशीर्वाद कैंप डिंडोरी का अवलोकन किया और कैंप के दौरान बच्चों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा की मेरा उद्देश्य है कि जिले का कोई भी निराश्रित बच्चा शासन की योजना एवं उसके अधिकारों को पूरा प्राप्त कर सके। जिन बच्चों के माता-पिता न होने के कारण उनकी शिक्षा जाति प्रमाण पत्र आयुष्मान कार्ड समग्र आईडी आधार कार्ड निवास प्रमाण पत्र एवं चल अचल संपत्ति की संरक्षण को ध्यान में रखते हुए उनके आवश्यक पोती नामांतरण जैसे महत्वपूर्ण कर इस कैंप के दौरान मेरे अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा पूर्ण करने का प्रयास किया गया। इस प्रकार के कैंप जिले में और भी हम लगाकर आम लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के सतत प्रयास करते रहेंगे।

शादी वाले घर से 9 वर्षीय लड़की गायब

मेंहदवानी। पुलिस थाना मेंहदवानी के ग्राम फतेहपुर निवासी रमेश सिंह उर्फ नड्डा की 9 वर्षीय बेटी विगत 21 मई से ग्राम पड़रिया से गायब हो गई। मासूम बच्ची अपने पिता तथा दो बड़ी बहनों के साथ ग्राम पड़रिया में रिस्तेदार के यहां शादी समारोह में गई थी जहां से वह रहस्यमय तरीके से गायब हो गई। जबकि उसी दिन बच्ची की मां अपने छोटी बच्ची को लेकर दूसरे ग्राम खरगवारा में शादी में गई हुई थी। बच्ची के पिता रमेश उर्फ नड्डा ने बताया कि रात्रि में जब

बच्ची नहीं दिखी तो हम समझे कि शायद घर वापस चली गई होगी पर जब हम सुबह घर पहुंचे तो वहां भी बच्ची नहीं थी। हमारे द्वारा नाते रिश्तेदारों के यहां तीन दिनों तक खोज खबर ली गई परन्तु नहीं मिली तब पुलिस थाना मेंहदवानी जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई। इस घटना के बाद से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। रमेश सिंह उर्फ नड्डा की चार बच्चियां हैं जिसमें से तीसरे नंबर की बच्ची लापता हुई है।

लगातार घट रही घटनाओं से क्षेत्र में दहशत का माहौल- मेंहदवानी क्षेत्र में इन दिनों बच्चा चोर आने की बात को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है ऐसे में सरसी चिरपोटी तथा फतेहपुर की घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। 9 से 10 वर्ष के उम्र के बच्चों का अपहरण और गायब होना सवालिया निशान लगा रहा है क्योंकि चिरपोटी से अपहृत बच्चों को बेहोशी का पेय पदार्थ पिलाया गया था। गनीमत रही कि बच्ची बेहोश होने के पहले चिल्ला दी थी जिसके चलते उन्हें बचा लिया गया था परन्तु वो बेहोश हो गए थे। मेंहदवानी पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच में जुट गई है।

सरपंच पति की मनमानी

ग्राम पंचायत संचालन में हस्तक्षेप

फर्जी बिल लगाकर राशि आहरण के लगे आरोप

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। शासन ने त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव में महिलाओ की 50 फीसदी हिस्सेदारी को लेकर कानून भी बना दिया है और इसका जमीन पर क्रियान्वयन भी हो रहा हैं और यह देखने मिल रहा है कि महिलायें ग्राम पंचायत से लेकर जिला पंचायत तक जनप्रतिनिधि के तौर पर नेतृत्व भी कर रही है। लेकिन यह भी देखने मिल रहा है कि महिलाओं की स्वेच्छाचारिता पर पतियो का हस्तक्षेप होता है जिससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे है।अधिकतर मामलो में जनप्रतिनिधि महिलओं की अपेक्षा उनके पति की भूमिका नजर आती है। अधिकतर ग्राम पंचायतों में जहां महिला सरपंच है उन पंचायतो में इनके पतियो द्वारा पंचायत के काम काज में हस्तक्षेप रहता है। जिसके परिणाम स्वरूप आमजन व ग्राम पंचायत के वार्ड पंचो में रोष देखा गया है तथा सरपंच पति की कार्यप्रणाली से रुष्ट होकर सरपंच के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया जाता है। और यह देखने भी मिलता है कि सरपंच पति द्वारा ग्राम पंचायत का मनमाना संचालन कराने का दबाव बनाते हुए फर्जी बिल लगाकर भुगतान तक करा दिया जाता है। ऐसा ही मामला जनपद पंचायत समनापुर

की ग्राम पंचायत भाजीटोला का समाने आया है जहां ग्रामींणो ने सरपंच पति पर फर्जी बिल लगाकर राषि आहरण करने के आरोप लगाये है। ग्राम पंचायत भाजी टोला के सरपंच सचिव द्वारा वर्ष 2022-23 में कुर्सी, टेबल ,लैपटॉप ,और स्टेश्नरी के नाम पर फर्जी बिल लगाकर शासकीय राशि का गबन किये जाने के आरोप लगे है, जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने जनपद पंचायत समनापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से लेकर, जिला पंचायत और कलेक्टर से करते हुए कार्यवाही की मांग की थी । शिकायत के बाद मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डिंडोरी के द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत समनापुर को दिनांक 15 मार्च 2024 को एक पत्र जारी कर शिकायत की जांच करते हुए प्रतिवेदन अपने स्पष्ट अभिमत सहित सात दिवस में उपलब्ध कराने के निर्देष जारी किये थे । लेकिन आज दिवस तक शिकायत पर क्या कार्यवाई हुई यह स्पष्ट नही है ग्रामींणो की शिकायत में आरोप लगाये गये थे कि ग्राम पंचायत की सरपंच अनुसुईया बाई परतेती हैं लेकिन सरपंच पति मोले राम परतेती पंचायत का पूरा काम काज संभाले हुए हैं। जो ग्राम पंचायत के विकास कार्यो सहित निर्माण कार्यों में जमकर भ्रष्टाचार कर रहे हैं ग्रामीणों की माने तो हाल ही में गांव के दुर्गा मंदिर से चंदू के घर तक जर्जर सी सी सड़क में लगभग 4 लाख की लागत से नाली निर्माण कराया गया है जो गुणवत्ताहीन है। वही नाला विस्तारीकरण के नाम पर गोमती नदी से जंगल तक मनरेगा योजना से वर्ष 2021-22 में स्वीकृत कार्य को हाल ही में कराया जा रहा है। जिसकी लागत 11 लाख रूपए बताई जा रही हे ग्रामीणों का आरोप है की नाला विस्तारीकरण के नाम पर फर्जी हाजरी लगा सरपंच पति शासकीय राशि में गोलमाल करने की तैयारी में है ग्रामींणो का आरोप है कि इस गडबडझाला में सरपंच, सरपंच के पति और उसके साथ सचिव रोजगार सहायक सहित जनपद के जिम्मेदार भी शामिल है। इस बावद मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत समनापुर से पूछा गया तो उनके द्वारा जांच कराने की बात कही गई है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, रविवार 26 मई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जेईई मेन चयन परीक्षा में प्रखर ने अर्जित की सफलता

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सी एम राइज साईखेड़ा के छात्र जेईई मेन 2024 की चयन परीक्षा 98.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता अर्जित प्रखर विश्वकर्मा ने हायर सेकेण्डरी परीक्षा गणित विषय से 89: के साथ उत्तीर्ण कर जेईई मेन 2024 की चयन परीक्षा 98.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता अर्जित कर देश के प्रख्यात एन आई टी में अपना स्थान सुरक्षित किया। प्रखर आईआईटी में प्रवेश के लिए होने वाली आई आई टी एडवांस में सम्मिलित होंगे। विधालय परिवार इष्ट मित्रों द्वारा प्रखर की सफलता पर उज्वल भविष्य की कामना करते हुए अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित की। प्रखर सी एम राइज विद्यालय साईखेड़ा प्राचार्य चंद्रकांत विश्वकर्मा, शिक्षिका श्रीमती पुष्पा विश्वकर्मा के सुपुत्र है।

ट्रेन से कटकर एक व्यक्ति ने की आत्महत्या

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कोतवाली थाना अंतर्गत आने वाले किसानी वार्ड निवासी रुपेश काछी पिता सुंदरलाल काछी उम्र 28 वर्ष की आज कपूरी रेलवे गेट के पास रेलवे ट्रैक पर छतविक्षत अवस्था में शव पड़ा हुआ मिला वहीं कोतवाली पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कार्रवाई के बाद मर्ग प्रकरण कायम कर शव को जिला अस्पताल के शवगृह लाया गया जहां परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा।

संतोष का आकस्मिक निधन

हरिभूमि न्यूज, करेली। हनुमान वार्ड महाराणा प्रताप स्कूल के पास करेली निवासी 'संतोष नेमा' का शुक्रवार को आकस्मिक निधन हो गया। संतोष बटेसरा वाले, महेश नेमा नरसिंहपुर, राजेन्द्र नेमा, प्रमोद नेमा (वाचनालय), अरविंद नेमा के भाई थे.स इनका अंतिम संस्कार मुक्तिधाम करेली' में किया गया ।

गोमाता का कराया गया इलाज

हरिभूमि न्यूज - करेली । डाक्टर राजेंद्र प्रसाद वार्ड करेली में वैशाख पूर्णिमा के अवसर पर पिछले दो माह से एक गौ माता जिसके दांए पैर के खुर में से खून निकल रहा था इसकी जानकारी गो भक्तों के द्वारा इलाज के लिए दी जाती थी पर जब इस गौ माता का इलाज करने के लिए पशु चिकित्सालय करेली के अधिकारी कर्मचारी इलाज के लिए इलाज के लिए आते थे पर गौ माता विचारण के लिए निकल जाने से इलाज नहीं हो पा रहा था पर आज बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर वार्ड के ही जागरूक नागरिक अधिवक्ता वैभव नेमा, विप्र समाज से श्रीमति नीतू आचार्य ने भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड से नियुक्त मानद पशु कल्याण प्रतिनिधि,जीसीसीआई के प्रदेश प्रेस संयोजक भागीरथ तिवारी को जानकारी दी की गौ माता हमारे घर के सामने है तो उसका इलाज होना चाहिए यह बात जानकारी लगते ही अवकाश होने के बाद भी, भीषण गर्मी में पशु चिकित्सालय करेली से ए व्ही एफ ओ सी एस तिंगनाथ को बुलाकर इसका इलाज करवाया गया स राय साहब की देवी मंदिर के पास बांध कर इसका इलाज कराया राय साहब ने भी सहयोग किया स रोड़ बनाने वाले भाईजान ने भी सहयोग दिया ।

तिहरी मार झेल रहे उपभोक्ता

तेंदूखेड़ा- इन दिनों उपभोक्ता तिहरी मार झेल रहा है। एक तरफ जहां भीषण गर्मी की तपन के बीच विद्युत की आंख मिचैली उमस भरी गर्मी फिर इसी बीच बिजली के बड़ी हुई राशि के बिलों के कारण उपभोक्ता परेशान नजर आ रहा है।भले ही इस भीषण गर्मी में भी कूलर पंखे भली-भांति नहीं चल पा रहें हैं लेकिन बिजली के बिल इस बड़ी हुई राशि के ही आये है आनलाइन विद्युत बिल जमा केंद्रों पर पहुंच रहे उपभोक्ताओं का कहना है कि इस माह बहुत ही ज्यादा बिजली खपत होने के बिल आयें है लेकिन बिजली जब पर्याप्त मात्रा में ही नहीं मिल रही है तो फिर चैगुनी राशि के बिल आना सोचनीय विषय बना हुआ है।

मुर्गाखेड़ा निवासी बताये जा रहे आरोपी

हिरण का शिकार कर ला रहे दो आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरकार द्वारा वन्य जीवों की सुरक्षा के लिये अनेको कानून बनाकर उनकी रक्षा के लिये तत्पर है। वही प्रशासन के कुछ गैर जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के कारण वन्यजीव दिन प्रतिदिन कम होते जा रहे है । वन विभाग के लापरवाह कर्मचारियों के कारण ही वन्य प्राणी शिकारियों का भोजन बन जाते है। इसी प्रकार का मामला थाना क्षेत्र सुआतला का सामने आया जहां पर पुलिस ने हिरण का शिकार कर ला रहे दो आरोपियों को वाहन सहित धर दबोचा और कार्रवाई की गई।

मामला इस प्रकार

शनिवार को हिरण का शिकार कर ला रहे दो आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा । पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार चैकिंग के दौरान बुलेरो गाड़ी में हिरण का शव रखा हुआ मिला जिसके संबंध मे आरोपियों से पूछताछ की गई और संतोष जनक जबाव ना मिलने पर आरोपियों को वाहन क्रमांक एमपी 49 सी 3363 सहित थाना लेकर आये और गहन पूछताछ की गई जिसमे आरोपियों द्वारा बताया गया कि नैयनवारा के जंगल से हिरण का शिकार कर ला रहे है । पुलिस ने आरोपी प्रदीप राय एवं रज्जू पटेल निवासी मुर्गाखेड़ा के विरूद्ध वन्य प्राणी अधिनियम के तहत मामला कायम कर जांच हेतु वन विभाग के लिये सौंप दिया गया।

वन विभाग को मिली देर से जानकारी

उक्त संबंध मे वन विभाग को देर से जानकारी मिली तो वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पहुंचे और कार्रवाई प्रारंभ की गई । समाचार लिखे जाने तक वन विभाग की कार्रवाई जारी थी एवं यह स्पष्ट नहीं हो सका कि हिरण का शिकार किस हथियार से किया गया है और हिरण की उम्र कितनी है । वन परिक्षेत्र अधिकारी गौरव बानखेड़े द्वारा बताया गया कि हमारी टीम आरोपियों से पूछताछ कर रही है तथा जांच पड़ताल जारी है उसके उपरांत की कुछ स्पष्ट हो सकेगा । जांच मे जो भी सामने आयेगा उसके बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

वन्य प्राणियों के लिये सरकार प्रतिबंद्ध

सरकार द्वारा वन्य प्राणियों की रक्षा के लिये कठोर कानून बनाकर उनकी रक्षा के भरसक प्रयास कर रही है लेकिन प्रशासन के गैरजिम्मेदार कर्मचारियों की लापरवाही के कारण वन्य जीव शिकारियों का भोजन बन जात है । सरकार द्वारा वन्य जीवों को पीने के पानी की उपलब्धता के लिये जंगलो मे झिरियों का निर्माण, सफाई जैसे कदम उठा रही है जिससे वन्य जीव जंगल से बाहर ना आये और सड़क दुर्घटना का शिकार ना हो सके तथा उनके भोजन पानी के पर्याप्त संशाधन जंगल मे ही मिल सके और उनकी रक्षा के लिये वन रक्षकों को नियुक्त किया गया है। लेकिन गैरजिम्मेदार वन रक्षकों द्वारा वना का भ्रमण ठीक ढंग से नही किया जाता जिसके कारण शिकारी अपना काम आसानी से कर लेते है । प्रशासन को चाहिये की आरोपियो के साथ वीट प्रभारी पर भी कार्रवाई की जानी चाहिये ।

कलेक्टर ने किया नपा व सीएम राइज स्कूल का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने नगर पालिका तेंदूखेड़ा का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने यहां निर्देशित किया कि नदी-नाले की साफ- सफाई का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जाये। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं हो, स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाये। कलेक्टर श्रीमती पटले ने नगर पालिका कार्यालय में शाखावार निरीक्षण किया। उन्होंने राजस्व शाखा, लेखा शाखा, लोक निर्माण शाखा, योजना शाखा, उपयंत्री कक्ष, स्टोर कक्ष का भी मुआयना किया। उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली के कार्य पर फोकस किया जाये। नगर में प्रतिष्ठानों के सामने दुकानदार डस्ट बिन अवश्य रखें। इसके बाद कलेक्टर श्रीमती पटले ने ट्रचिंग ग्राउंड का भी अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर मौजूद नगर पालिका के अमले को निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित किया जाये कि कचरे का निपटान व्यवस्थित तरीके से हो। मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी की मशीन प्रारंभ की जाये। उक्त निरीक्षण के पश्चात कलेक्टर श्रीमती पटले ने निर्माणाधीन सीएम राइज शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का भी निरीक्षण किया।

दबंग छुड़ा ले गये अवैध रेत से भरी ट्रैक्टर ट्राली

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में रेत का अवैध व्यापार थमने का नाम नही ले रहा है । अवैध कारोबारी प्रशासन के नियमों को धता दिखाते हुये उत्खनन करते हुये नजर आ रहे है । वही सरकार द्वारा रेत उत्खन का ठेका निजी कंपनी को दिया गया एवं अवैध कारोबारी कंपनी के कर्मचारियों के साथ मारपीट कर अवैध व्यवसाय करने मे लगे हुये है । इसी क्रम मे बीती रात थाना क्षेत्र साईखेंड़ा के धनौरा गांव से लगी उमरी नदी पर अवैध खनन कर लाई जा रही रेत के संबंध मे कंपनी के कर्मचारियों द्वारा पूछताछ की गई जिसपर ग्रामीणों द्वारा कंपनी के कर्मचारी पर हमला कर दिया जिसमे 5 लोग घायल हो गये वही एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

एकजुट होकर बोला हमला

साईखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली उमर नदी से अवैध उत्खनन और परिवहन जोर शोरों से स्थानीय दबंग कर रहे हैं। सूत्रों से मिली

जानकारी के अनुसार धनौरा गांव से लगी उमर नदी में रात होते ही रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन किया जा रहा था। बीती रात जब रेत कंपनी की फ्लाइंग के कर्मचारियों साईखेड़ा क्षेत्र की खदानों का दौरा करने निकले थे, तभी धनौरा गांव की उमर नदी से एक ट्रैक्टर ट्रॉली रेत ले जाते हुए देखा। मौके पर पहुंचे कर्मचारियों ने ट्रैक्टर चालक से रॉयल्टी के संबंध में पूछा। रॉयल्टी ना होने की स्थिति में ड्राइवर ने राजा और मालक नाम के व्यक्तिओं को फोन पर सूचना दी। तभी अचानक 50 से 60 लोग ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल से घटनास्थल पर पहुंच गए और फ्लाइंग के कर्मचारियों के ऊपर अवैध हथियारों हमला बोल दिया।

ट्रैक्टर ट्राली को छुड़ा ले गए दबंग

कंपनी के फ्लाइंग कर्मचारी को और स्थानीय दबंग व्यक्ति राजा और मालक व्यक्ति के साथ 50 से 60 लोगों ने लठ्ठ और फारसे सहित अवैध हथियारों से घायल कर दिया,जिसमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। फिलहाल अवैध रूप से भरे ट्रैक्टर को फिलहाल स्थानीय दबंग व्यक्ति कर्मचारियों के साथ मारपीट करके ट्रैक्टर ट्राली को छुड़ा ले गए हैं। फ्लाइंग के कर्मचारियों के साथ घटी घटना में जहां दोनों ही पक्ष ने पुलिस में शिकायत कर मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मूक पशुओं की सुरक्षा हो, ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गोवंश सुरक्षा वर्ष मनाया जाने एवं साधु संतों के द्वारा गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने को लेकर भी कोई सार्थक कार्रवाई नहीं होने एवं पूर्व में दिए गए गोवंश सुरक्षा को लेकर दिए गए आवेदनों पर भी कोई कार्रवाई सार्थक कार्रवाई नहीं होने को लेकर गांधीवादी तरीके से आंदोलन करने की जानकारी देने संबंधी कलेक्टर को ज्ञापन सोपा गया । ज्ञापन सौंपते समय भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड से नियुक्त मानद पशु कल्याण प्रतिनिधि भागीरथ तिवारी, जी सी सी आई प्रदेश प्रेस संयोजक भागीरथ तिवारी अभय वाणी के संपादक अभय हिंदुस्तानी, अंशुल व्योहार , आशीष ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि नगर पालिका करेली के अधिकारियों की तानाशाही प्रवृति के कारण करेली के मेन रोड एवं विभिन्न वार्डों में आए दिन गोवंशों की मौत हो रही है निराश्रित बेसहारा घूमने वाले पशुयो के पशुपालकों के ऊपर सार्थक कठोर कार्रवाई नहीं होने से गोवंश दुर्घटनाग्रस्त होकर गंभीर रूप से घायल होने से उनकी मौत हो रही है स इस संबंध में नगर पालिका करेली के द्वारा कोई सार्थक करवाई नहीं होने से यह ज्ञापन 6 बिंदुओं को लेकर सोपा जा रहा है स आपसे आग्रह हे कि मूक पशुओं की सुरक्षा को लेकर सार्थक कार्यवाही करेंगी ।

बप्पा को लगे 56 भोग, विविध कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। श्री नरसिंह मंदिर में विराजे पंचमुखी बीजापुर भगवान श्री गणेश जी की स्थापना के 1 वर्ष पूर्ण होने पर शनिवार को धार्मिक-सांस्कृतिक उत्सव मनाया गया। समारोह को लेकर श्रद्धालुओं में अपार उत्साह रहा। सुबह से प्रारंभ हुए कार्यक्रम देर रात तक चलते रहे। कार्यक्रमों की शुरुआत रामधुन से हुई। भगवान श्री गणेश का अभिषेक अर्चन एवं हवन किया गया। महिला मंडल द्वारा भजन कीर्तन किए गए एवं कन्या पूजन , कन्या भोज, भंडारे में हजारों लोगों ने प्रसादी प्राप्त की। आयोजन से जुड़े श्री देव नरसिंह मंदिर ट्रस्ट, जाट युवा मोर्चा, श्री मित्र गणेश मंडल ने बताया कि भगवान श्री गणेश को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया । इसके पश्चात शाम 730 बजे महाआरती एवं रात 8. 30 बजे से श्री गणेश चालीसा पाठ, भजन हुए। उल्लेखनीय है कि नगर के प्राचीन नरसिंह मंदिर में करीब ढाई सौ वर्षो से अधिक समय से भगवान श्री गणेश की मूर्ति स्थापना के लिए स्थान रिक्त था। बीते वर्ष द्वारका शारदा पीठ के शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज के सानिध्य व मार्गदर्शन में 23 मई से तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की शुरूआत हुई थी। जिसके तहत 25 मई को श्री पंचमुखी भगवान गणेश की मूर्ति की स्थापना प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। शंकराचार्य ने ही भगवान गणेश की पंचमुखी प्रतिमा को बीजापूर गणेश का नाम देते हुए पूजन किया था।

पानी की जगह हवा उगल रहे हैंडपंप

कहीं कहीं निकल रहा लाल गंदा पानी

तेंदूखेड़ा- सूर्य की धरती पर पड़ रहीं सीधी किरणों के कारण जहां भीषण गर्मी की तपन अपना प्रभाव बता रही है वहीं इस गर्मी के बीच जमीनी जल स्तर भी काफी नीचे चले जाने से सार्वजनिक और घरेलू हेंडपंप पानी की जगह हवा उगलने लगे हैं।150 से लगभग 200 फुट नीचे पहुंचने के कारण पानी वाले हेंडपंपो से नल अधिक चल जानें से लाल एवं मटमेला पानी निकलने लगा है।

सर्रा में पानी की किल्लत

हमारे प्रतिनिधि को ग्राम पंचायत सर्रा बंधी के लोगों ने बताया कि यहां पर नल जल योजना के तहत पाइप लाइन तो एक साल पहले बरसात के दिनों में बिछा दी गई थी लेकिन उसमें पानी कब आयेगा यह सुनिश्चित नहीं हुआ है। लाइन भी जहां तहां से टूट गई है और स्टांपपोश खड़े कर दिए गए हैं जो शोभा की सुपाड़ी बनें हुए हैं। चूंकि पानी की टंकी का निर्माण अभी हुआ ही नहीं है। गांव में जितने भी हेंडपंप है अधिकांश में पानी ही नहीं निकल पा रहा है। एक कुप्पा बाल्टी भरने में काफी समय लग जाता है। ज्यादा चलने पर लाल या मटमेला पानी निकलने लगता है।सुबह सुबह जल्दी उठकर या देर रात्रि में नल खाली मिलने पर एक दो कुप्पा पानी निस्तार के लिए भरकर पूर्व से रखना पड़ता है। मवेशियों को पीने के पानी के लिए भी परेशानी हो रही है। पानी वाले ट्यूबवैल मालिकों से आरजू मिन्नतें करनी पड़ रही है।

ढिलवार तला टोला में समस्या

आदिवासी ग्राम ढिलवार में लाखों रुपए खर्च होने के बाबजूद अभी

भी यहां पेयजल समस्या का निराकरण नहीं हो सका है। ग्राम प्रमुख का कहना है कि जहां से पानी आ रहा है दूरी अधिक होने के कारण अपेक्षाकृत पानी नहीं आ पा रहा है।बीच बीच में बिजली गुल हो जाने के कारण सप्लाई में व्यवधान हो जाता है।दो और तीन दिन में एक बार पानी मिल पाता है।जिस तरह से प्रशासन ने यहां पर स्थाई निदान की दिशा में जो कदम उठाए वह कारगिर सावित नहीं हुए।वहीं तला टोला वासियों का कहना है कि यहां पर एक विद्युत मोटर गढ्ढे में गिर जाने के बाद पानी नहीं पहुंच रहा है लोग नेशनल हाईवे को क्रास करके पानी ढोकर ला रहें हैं।भारी बाहनों के बीच पानी लेकर निकलना किसी खतरे से कम नहीं है।

खमरिया में भी पानी की किल्लत

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग के किनारे बरांझ नदी के तट पर बसे गांव में पानी की समस्या कोई आज की समस्या नहीं है। यहां पर नलजल योजना के तहत एक पानी की टंकी बनाई गई थी जो आज तक प्रारंभ नहीं हो सकी है। गांव में अधिकांश हेंडपंप बिगड़े पड़े होने के कारण लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है। गांव के प्रधान बताते हैं कि पीएच ई विभाग के अधिकारियों को सूचना भी दी जाती है लेकिन सुनते ही नहीं है।हेंडपंपो में पाइप लाइन बढ़ाने की जगह पाइप निकाल कर ले जाते हैं। तथा टंकी चालू ना होने की स्थिति में ट्यूबवेल से सीधी सप्लाई करते लेकिन विद्युत मोटर जली पड़ी है पी एच ई विभाग के अधिकारियों को सूचित किया गया है लेकिन आजकल कर रहे हैं। ग्रामीण पानी को लेकर परेशान बनें हुए हैं। ग्रामीणों ने तत्काल प्रभाव से पेयजलापूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की है।

सर्व ब्राह्मण सभा का समागम आज

तेंदूखेड़ा- सर्व ब्राह्मण सभा का समागम आज दोपहर 2 से शाम 6 तक ग्राम काचरकोना में आयोजित होने जा रहा है। इस संबंध में हमारे प्रतिनिधि को सुप्रसिद्ध कथा वाचक भागवत किंकर की उपाधि से अलंकृत पं कृष्णकांत शास्त्री ने जानकारी देते हुए बताया है कि उनके अनुज मनोज कुमार बसेडिया का चयन भारतीय सेवा में जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जे सी ओ) राष्ट्रपति रैंक राजपत्रित अधिकारी के पद पर हुआ है, जिसमें जिले के सभी विप्र जनों का आशीर्वाद लेने के लिए एक विप्र समागम एवं स्नेहभोज का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसमें जिले भर के सभी विप्र समाज के सभी पदाधिकारी, वरिष्ठ जन, एवं संगठन से जुड़े सभी पदाधिकारी लोग उपस्थित होंगे। जिसमें समाज के सभी विषयों पर एक गहन चिंतन होगा समाज में चल रही अन्य गतिविधियों पर चर्चाएं होगी। ग्राम काचरकोना के वरिष्ठ नागरिक पंडित दशरथ प्रसाद बसेड़िया ने सभी विप्र जनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

होगा नागरिक अभिनंदन

इस मौके पर ग्राम काचरकोना के लोगों द्वारा मनोज कुमार बसेडिया की इस उपलब्धि पर गांव की तरफ से एक नागरिक अभिनंदन किया भी किया जायेगा।